S.D.E.

T.Y.B.A. (2008 Course) : WINTER - 2018

SUBJECT : HINDI (S - 3)

Day: Wednesday
Date : 10/10/2018

Time: 03.00 PM TO 06.00 PM
Max. Marks : 80

W-2018-4216

सूचनाएँ :

१) सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं।
२) **दाहिने** दिए हुए अंक **गुणों** का निर्देश करते हैं।
3) दोना विभाग **एक** ही उत्तरपत्रिका में लिखिए।

विभाग – १

प्र.१ निम्नलिखित प्रश्नों मे से **किन्हीं दो** प्रश्नों के दीर्घ उत्तर लिखिए। (१६)

अ) बंशीधर और नवलकिशोर के चरित्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

ब) 'सुखमय जीवन' आदर्शवादी कहानी है। इस कथन की समीक्षा कीजिए।

क) प्रकाश और करूणा के चरित्र की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

प्र.२ निम्नलिखित प्रश्नों मे से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (१६)

अ) 'इंद्रजाल' कहानी के शीर्षक की उपयुक्तता पर प्रकाश डालिए।

ब) 'जान्हवी' प्रेम की पुकार को अभिव्यक्त करनेवाली कथा है। स्पष्ट कीजिए।

क) शहरी वर्ग किस द्वंद्व में जीता है और उसके कारण क्या होते हैं?

प्र.३ निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। (१६)

अ) ''देखा तेरा सुखमय जीवन! आस्तीन के साँप! पापत्मा!!''

ब) ''सरकार! बेला अब कंजारों के दल में नहीं रह सकेगी।''

क) ''वह लडकी आशनाई में फंसी थी। पढी-लिखी सब एक जात की होती हैं।''

विभाग – २

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों मे से **किन्हीं दो** के संक्षेप उत्तर लिखिए। (०८)

अ) 'मलबे का मालिक' कहानी विभाजन की त्रासदी की अभिव्यक्ति है।' स्पष्ट कीजिए।

ब) 'धूप का एक तुकडा' यूरोपीय समाज के एकाकीपन की विडंबना है' समीक्षा कीजिए।

क) बिरजू की माँ के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

प्र.५ निम्नलिखित प्रश्नों मे से **किन्हीं दो** प्रश्नों के दीर्घ उत्तर लिखिए। (०८)

अ) गौरी के चरित्र की विशेषताएँ अपने शब्दों में लिखिए।

ब) 'दोपहर का भोजन' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

क) रूप के चरित्र की विशेषताओं पर अपना दृष्टिकोण स्पष्ट कीजिए।

प्र.६ निम्नलिखित प्रश्नों मे से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (०८)

अ) 'सिक्का बदल गया' कहानी की भाषा-शैली पर टिप्पणी डालिए।

ब) 'टेपचू' कहानी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

क) 'तसबीह' कहानी की भाषा-शैली पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

प्र.७ निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणीयाँ लिखिए। (०८)

अ) 'तसबीह' कहानी की समस्या

ब) 'टेपचू' कहानी की भाषा

क) 'घुंसपैठिए' कहानी की प्रासंगिकता।

* * * * *